समीक्षा बैठक में किसानों को उन्नत फसलें उत्पादन की जानकारी देने पर जोर

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में संचालित बीज उत्पादन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक बुधवार को अनुसंधान निदेशालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न फसलों की किस्मों को बीज उत्पादन कार्यक्रम में शामिल करने पर जोर दिया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एन के शर्मा ने कहा कि किसानों की मांग और गुणवत्ता के अनुसार विभिन्न फसलों की किस्मों को उत्पादन कार्यक्रम में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को ऐसी किस्में उगाने के लिए प्रेरित करें जिनमें कम पानी की आवश्यकता हो। किसानों को उन्नत बीज उत्पादन एवं तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाए।

बीज उत्पादन में किसानों को सहभागी बनाएं

डॉ शर्मा ने कहा कि प्रत्येक केंद्र अपने आस-पास कुछ किसानों को चिन्हित कर बीज उत्पादन कार्यक्रम में शामिल करें।बैठक में सब्जियों के बीज उत्पादन पर भी चर्चा की गई। पालक और मटर सहित अन्य सब्जियों के गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।डॉ. शर्मा ने निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय के सभी बीज उत्पादन कार्यक्रमों का समुचित एवं व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जाए, ताकि उत्पादन, वितरण और गुणवत्ता संबंधी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके।अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. विजय प्रकाश ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई किस्मों को व्यापक तौर पर बीज उत्पादन कार्यक्रम में शामिल करें तथा बीजों की गुणवत्ता बनाए रखना सुनिश्चित किया जाए।बैठक में सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों व कृषि अनुसंधान केन्द्रों द्वारा रबी 2025-26 की प्रगति व रबी 2026-27 के लक्ष्य की विस्तार से जानकारी दी गई।इस अवसर पर डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत, डॉ. सागरमल कुमावत सहित अन्य अधिकारी एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत जम्भेश्वर नगरी पंचायत समिति बाप, फलोदी

निविदा सूचना-01/2026-27

क्रमांक: ग्रापंजनगरी/2026-27/ 33 — दिनांक 25-09-2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की पंचायत समिति बाप के अधीनस्थ ग्राम पंचायत जंभेश्वर नगरी के अन्तर्गत कराये जाने वाले विकास कार्यों के लिए वितीय वर्ष

किसानों की मांग के अनुरूप किस्में बीज उत्पादन कार्यक्रम में शामिल करें - डॉ. शर्मा

बीज उत्पादन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में संचालित बीज उत्पादन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक बुधवार को अनुसंधान निदेशालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न फसलों की किस्मों को बीज उत्पादन कार्यक्रम में शामिल करने पर जोर दिया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एन के शर्मा ने कहा कि किसानों की मांग और गुणवत्ता के अनुसार विभिन्न फसलों की किस्मों को उत्पादन कार्यक्रम में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को ऐसी किस्में उगाने के लिए प्रेरित करें जिनमें कम पानी की आवश्यकता हो। किसानों को उन्नत बीज उत्पादन एवं तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाए। पानी की कमी तथा बदलते जलवायु परिदृश्य को देखते हुए कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों एवं किस्मों को अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

बीज उत्पादन में किसानों को सहभागी बनाएं

डॉ शर्मा ने कहा कि प्रत्येक केंद्र अपने आस पास कुछ किसानों को चिन्हित कर बीज उत्पादन कार्यक्रम में शामिल करें। बैठक में सब्जियों के बीज उत्पादन पर भी चर्चा की गई। पालक और मटर सहित अन्य सब्जियों के गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। डॉ. शर्मा ने निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय के सभी बीज उत्पादन कार्यक्रमों का समुचित एवं व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जाए, ताकि उत्पादन, वितरण और गुणवत्ता संबंधी गतिविधियों का प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. विजय प्रकाश ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई किस्मों को व्यापक तौर पर बीज उत्पादन कार्यक्रम में शामिल करें तथा बीजों की गुणवत्ता बनाए रखना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों व कृषि अनुसंधान केन्द्रों द्वारा रबी 2025-26 की प्रगति व रबी 2026-27 का लक्ष्य की विस्तार से जानकारी दी गई।

क मामले में दो ...नत खारिज

पानी की टंकी पर चढ़ना सामने आता है। हालांकि, कोर्ट ने यह भी माना कि जलदाय विभाग परिसर में चोरी करने के आशय से प्रवेश करने की साक्ष्य इस स्तर पर सामने नहीं आती है।कोर्ट ने आदेश में कहा कि आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों में धारा 331(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत

ईसीएचएस के नए एम्पैनलमेंट में देरी से बढ़ी परेशानी

सादुलपुर (मदन मोहन आचार्य)। आधुनिक सुविधाओं वाले अस्पतालों की फाइलें लंबे समय से लंबित होने का दावा पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने वाली एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम ईसीएचएस के तहत नए अस्पतालों के एम्पैनलमेंट की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। राजस्थान, हरियाणा और पंजाब सहित कई क्षेत्रों में अस्पताल संचालकों से की गई बातचीत में सामने आया है कि ऑनलाइन व्यवस्था शुरू होने के बावजूद उनके आवेदन महीनों से लंबित पड़े हैं।

कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली किस्मों पर जोर

बीकानेर @ पत्रिका. पानी की कमी और बदलते जलवायु परिदृश्य को देखते हुए स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय किसानों तक कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों और किस्मों के बीज पहुंचाने की दिशा में काम करेगा। इसके लिए किसानों की मांग और जरूरत के अनुसार विभिन्न फसलों की किस्मों को विश्वविद्यालय के बीज उत्पादन कार्यक्रम में शामिल करने पर जोर दिया गया है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय सभागार में बुधवार को आयोजित बीज उत्पादन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक में अनुसंधान निदेशक डॉ. एनके शर्मा ने अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की मांग और बीज की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न फसलों की उपयुक्त किस्मों को उत्पादन कार्यक्रम में शामिल किया जाए। साथ ही किसानों को कम पानी की जरूरत वाली किस्मों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रत्येक केंद्र अपने आसपास के किसानों को चिन्हित कर उन्हें बीज उत्पादन कार्यक्रम से जोड़े। किसानों को उन्नत बीज उत्पादन तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया जाए, ताकि गुणवत्तापूर्ण बीज का उत्पादन बढ़ाया जा सके। बैठक में सब्जियों के बीज उत्पादन की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. विजय प्रकाश ने विवि द्वारा विकसित किस्मों को कार्यक्रम में शामिल करने और गुणवत्ता पर जोर दिया।